भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3024
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

शिवमोगा विमानपत्तन पर विमान परिचालन

3024. श्री बी. वाई. राघवेन्द्र:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को संशोधित क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान के अंतर्गत बेंगलुरु-शिवमोगा-बेंगलुरु (बीएलआर-आरक्यूवाई-बीएलआर) सेक्टर को शामिल करने के लिए कर्नाटक राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो उस पर की गई कार्रवाई सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का सेवाओं के निलंबन और बेहतर क्षेत्रीय संपर्क की बढ़ती सार्वजनिक मांग को देखते हुए उक्त योजना के अंतर्गत बेंगलुरु-शिवमोगा सेक्टर पर अनुसूचित वाणिज्यिक विमान सेवाओं की बहाली पर प्राथमिकता से विचार करने का प्रस्ताव है; और

(ग) क्या सरकार का उक्त योजना के तहत ऐसे क्षेत्रीय वायु मार्गों, जिन्होंने यात्रियों की पर्याप्त मांग को सिद्ध किया है, के पुनरुद्धार और संधारणीयता को प्राथमिकता देने के लिए उपयुक्त नीतिगत उपाय शुरू करने का प्रस्ताव है और महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक महत्व को दर्शाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): सरकार ने हाल ही में देशभर में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और अधिक बढ़ाने के लिए दिनांक 04.07.2026 को संशोधित उड़ान योजना शुरू की है। इस संशोधित योजना में 120 नए असेवित और अल्पसेवित गंतव्यों को जोड़ने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों के लिए यात्रा सुविधा प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

इस योजना के प्रावधानों के अनुसार, कर्नाटक सरकार क्षेत्रीय संपर्क आवश्यकताओं, यात्री मांग और परिचालन व्यवहार्यता के आधार पर बोली प्रक्रिया में शामिल करने के लिए शिवमोग्गा को जोड़ने वाले मार्गों सहित, राज्य प्राथमिकता मार्गों की पहचान और प्रस्ताव कर सकती है। क्षेत्रीय मार्गों की परिचालन व्यवहार्यता को सुदृढ़ करने और संधारणीय यात्री यातायात को बढ़ावा देने के लिए, इस योजना में पांच वर्ष तक विस्तारित लंबा वीजीएफ तंत्र शामिल है, जो एयरलाइनों को व्यावसायिक रूप से संधारणीय परिचालन की ओर परिवर्तित करने में सक्षम बनाने के लिए उत्तरोत्तर कम हो जाता है।

******